दिखने लगा झीलों के पुनर्जीवित होने का फायदा, बढ़ा भूजल स्तर

झीलों के आसपास ग्राउंड वॉटर में 1.5 से 1.75 मीटर तक वृद्धि

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी में झीलों को पुनर्जीवित करने के प्रयास के सकारात्मक नतीजे अब सामने आने लगे हैं। ऐसी झीलों के आसपास भूजल स्तर में 1.5 से 1.75 मीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके बाद झीलों को और अधिक गहरा किया गया है, ताकि भूजल स्तर में और अधिक सुधार आ सके। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) अब तक करीब 50 झीलों को रिवाइव कर चुका है। गर्मियों में हर साल पानी की कमी झेल रही दिल्ली में पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। झीलों के रिवाइव होने के बाद अब यहां सौंदर्यीकरण और टूरिज्म सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

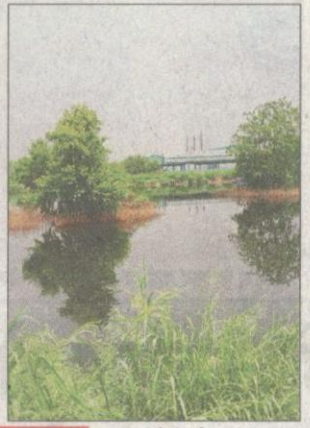

अब तक 50 झीलों को पुनर्जीवित कर चुका दिल्ली जल बोर्ड, 250 रिजरवॉयर बनाए

गर्मियों में राजधानी की प्यास बुझाने के लिए 250 रिजरवॉयर बनाने और 50 झीलों को रिवाइव करने का काम हो चुका है। डीजेबी के अनुसार, दिल्ली सरकार ने 159 तालाबों व जोहड़ों को पुनर्जीवित करने के लिए 376 करोड़ और दो बड़ी झीलों को बनाने के लिए 77 करोड़ का बजट दिया था। 2017-18 में इस प्रोजेक्ट पर डीजेबी ने काम शुरू किया था। साल-2024 तक इसका काम पूरा किया जाना है। 250 रिजरवायर और 50 झीलों का काम लगभग पूरा हो चुका है। इस प्रोजेक्ट में पूरी तरह सूख चुकी और बुरे हालात में पड़ी झीलों को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ कृत्रिम झीलों का निर्माण भी है। ये झीलें राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में हैं। इसके अलावा छोटे तालाबों को भी पुनर्जीवित करने का काम चल रहा है।

अर्बन फ्लडिंग से भी बचाएंगी ये झीलें

बारिश के पानी को भी इन झीलों में एकत्रित किया जा रहा है, जिससे ये अर्बन फ्लडिंग (बारिश के दिनों में अत्यधिक जलभराव) से भी राहत दिलाएंगी। साथ ही, भूजल स्तर बढ़ने से गर्मियों में पानी की सप्लाई बढ़ेगी। डीजेबी अधिकारियों के अनुसार, यह सीएम केजरीवाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसका मकसद भूजल स्तर को बढ़ाना है। प्रोजेक्ट के तहत बारिश के पानी और राजधानी के अपने पानी को झीलों में संरक्षित करके रखना है। साथ ही, झीलों के आसपास जैव विविधता को बढ़ाना भी है जिससे राजधानी के प्रदूषण स्तर में भी कमी आएगी।

राजधानी में 1000 एमजीडी पानी सप्लाई होती है। इसमें से करीब 900 एमजीडी पानी पड़ोसी राज्यों से मिलता है, जबकि 100 एमजीडी पानी दिल्ली का अपना होता है। यह पानी भूजल और रेनीवेल, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग से मिलता है। इसी पानी को बढ़ाना मकसद है। राजधानी में पायलट प्रोजेक्ट के तहत सबसे पहले रजोकरी झील को रिवाइव किया गया था।

nwda.gov.in